[Shri Uma Shankar Dikshit.]

certain amount of investigation did occur on their behalf. We are aware of it and we are not taking any light attitude about it.

12.49 hrs.

MOTION FOR ADJOURNMENT

DISRUPTION OF RAILWAY SERVICES DUE TO MASS ABSENTEEISM BY LOCO RUNNING STAFF

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) लोको कर्मचारियो की हडताल के बारे मे आप ने शायद इस आधार पर विचार नही किया कि शायद रेल मत्री उस के बारे मे बयान देने वाले हैं। लेकिन अध्यक्ष जी, हमारी मुश्किल यह है कि रेल मंत्री के बयान पर आप सवाल तक पूछने की इजाजत नही देंगे।

अध्यक्ष महोदय अगर आप चाहेंगे तो इस पर . (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी अध्यक्ष जी, हडताल इसलिए हो रही है कि मई मे जब लोको कर्मचारियो ने हडताल की थी और मत्री जी ने जो आश्वासन दिए थे उन का पालन नही हुआ, सैकडो कर्मचारियो को नौकरी से अलग किया जा रहा है, उनकी सर्विस मे ब्रेक हो रहा है। हम आप का मार्गदर्शन चाहते हैं। नियमो मे ऐसा लिखा है कि ·

Rule 58 (vi) says:

'The motion shall not anticipate a matter, which had been previously appointed for consideration'.

Consideration is something different from just making a statement by the Minister.

अगर आप उस बयान पर हमें चर्चा करने का मौका दें (व्यवधान) आज शुक्रवार है, दो दिन छुट्टी होने वाली है, रेलें अस्तव्यस्त हैं, सारे देश का यातायात भंग हो गया।

अध्यक्ष महोदय . चर्चा आज क्या करना है। बाद में करिए, और एक, दो दिन बाद हालत ठीक नही हुई तो अगले सप्ताह देखेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मई मे जो इन्होने आश्वासन दिए थे उन का पालन नही हुआ इसलिए कर्मचारी हडताल करने के लिए मजबूर हैं। हम उन का बयान सुन लेते तब आप हमारा (व्यवधान)

SHRI S. M BANERJEE (Kanpur): The Railway Officers are sabotaging the whole thing

रेल मंत्री (श्री एल० एन० मिश्र) : आपकी सूचना सही नही है कि हमने जो आश्वासन दिया उसका कार्यान्वयन नही हो रहा है और इसलिए हडताल हो रही है। (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी . आप इन का बयान सुन कर, फैसला कीजिए। (व्यवधान)

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरैना) . मत्री जी एयरकंडीशन्ड कमरे मे बैठते हैं। (व्यवधान) यह जो कुछ कह रहे हैं वह सही है, और हम जो कह रहे हैं वह सही नही है। हम मंत्री महोदय के बयान पर सवाल नही पूछ सकते इसलिए आप काम रोको प्रस्ताव स्वीकार कर लें।

अध्यक्ष महोदय : आप सब लोग एक साथ बोल रहे हैं, कुछ समझ मे नही आता ... (व्यवधान)

The Minister is making a statement.

SHRI S. M. BANERJEE: Let him lay the statement on the Table of the House.

अध्यक्ष महोदय : स्वीकार कर लूं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, मैंने सुना नहीं आप क्या कह रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय : मैं कह रहा हूं कि स्वीकार कर लूं आप का मोशन ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जरूर कर लीजिए साहब ।

अध्यक्ष महोदय : मैं तो तैयार हूं ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, संख्या मे अगर गिर जायगा तो इस का विचार हम नहीं करते । मामला महत्व-पूर्ण है, हम उस पर चर्चा चाहते है ।

श्री मधुलिमये (बांका) : आज 2 बजे काल अटेंशन मजूर किया जाय ।

MR. SPEAKER: No calling attention is like this. I shall allow a discussion on it.

आप सोमवार को आयेंगे । उस वक्त तक मसला हल नही हुआ तो मैं इस पर डिस्कशन अलाऊ कर दूगा ।

SHRI JAGANNATHRAO JOSHI (Shajapur): Sir, for these two days, all the trains have stopped.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्लेरी-फिकेशन मांगना स्वीकार कर लीजिए । आप थोड़ा रूल वेव कर दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : रूल वेव करने की बात नहीं है । एक घंटा बाद में रख देगें, और क्या ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : 2 बजे रख दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, दो बजे से देखिए रोज ऐसा चलना है और कल का दिन भी गया, परसों का दिन भी गया । इसलिए अगर आप को इसी तरह रोज चलाना है, किसी भी बात को ले लो, तो कैसे काम चलेगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप को कछवाय जी, आपको किस ने कहा है कि शोर करने से दलील मजबूत हो जाती है । शोर से काम नही चलेगा । आप शोर ज्यादा करते हैं । मैंने तो शोर वगैर ही किया है । मैं इस को कम अहमियत नही देता हूं । ....

It is not less important. The country is affected.

मिनिस्टर ने ऑफर किया है कि मैं स्टेटमेंट करूगा । अगर आप चाहते है और मोशन लाना है तो मैं उस के लिए प्रीपेयर्ड हूं ।

SHRI S. M. BANERJEE: That is not our submission, Sir. Kindly hear me for a minute. I only want to submit that we had tried our best to bring about a settlement. We have been trying since five O' clock yesterday evening to have talks with the hon. Minister. I had a talk with the hon. Minister also But unfortunately, unless the hon Minister declares one thing very clearly that there will be no arrests it would be very difficult, because there is a fear among the leaders that if the leaders come for discussion, they are going to be arrested. I would ask the hon. Minister to

[S. M. Banerjee]

declare here and now that nobody is going to be victimised and nobody would be arrested under DIR. Previously, they were arrested, and that is why they are afraid. I want that the hon. Minister should make a statement here making this declaration....

MR. SPEAKER: It becomes very difficult. Why should hon. Members anticipate what the hon. Minister is going to say? After the hon. Minister makes the statement, if hon. Members think that they want time to put some questions or say something, we can fix one hour at the end; or if they think that we should have a debate, we can keep it for Monday.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: It should be done today.

SHRI SAMAR GUHA (Contai): All trains have stopped.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, हमें उन का बयान सुन ले, फिर आप फैसला करें, उस पर सवाले पूछने की इजाजत दे या छोटी सी चर्चा कर सके 6 बजने से पहले।

अध्यक्ष महोदय : इस बारे में रूल साफ़ है. वह मैं कैसे तोड़ सकता हूं। अगर एक दिन कर लिया तो रोजाना उसी की मिसाल आप देंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर रेलवे में इस तरह से बारबार हड़ताल होगी तो हमारी मजबूती है।

अध्यक्ष महोदय : मैं देख चुका हूं, कई दफ़ा आप की बात मान ली और उसको प्रीसीडेंट बना लिया I am not for it. I an going to depart from the rules.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय। मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

अध्यक्ष महोदय : शेड्यूल आफ आर्डर को रखिये अपने पास। फिर बाद में कीजिएगा। समझ में नहीं आता कि क्यों इतना लोग बात बोलते हैं। I want to consult hon. Members for some time-saving devices, because every day time is taken like this and we are running short of time at the end.

श्री एस० एम० बनर्जी : हमें अध्यक्ष महोदय, बोलने की ही तनख्वाह मिलती है।

अध्यक्ष महोदय : मैं भी इतने सालों से रहा हूं, और मैंने देखा है कि जिन लोगों ने ज्यादा सवाल करे वही हारे।

SHRI S. M. BANERJEE: We have tabled a motion under rule 377 about the Spotlight programme of All India Radio......

MR. SPEAKER: Why is the hon. Member impatient? The procedure is there. I shall see to it later on. I am not going to commit myself now.

SHRI S M. BANERJEE: You are the custodian of the rights of this House. That is why I want to raise it.

MR. SPEAKER: In my parliamentary life, I have come across two persons who are unrivalled in this wonderful technique of introducing everything in the House in this manner; one of them is Shri S. M. Banerjee, and as for the other, I am not going to mention his name.